सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 97 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 12 मई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

अगर हर कोई साथ में आगे बढ़ रहा है तो सफलता खुद अपना ख्याल रख लेती है।
-हेनरी फोर्ड

हाईकोर्ट ने दे ही दिया अर्नब गोस्वामी को... 8 | जनता द्वारा, जनता के लिए... जवाबदेह... 3 | चुनाव का सामना करके दिखाए... 7

कर्नाटक चुनाव का फैसला कल, बढ़ी हलचल

मतगणना से पहले सियासी दलों की धड़कने तेज

» कांग्रेस-भाजपा ने किए अपनी-अपनी जीत के दावे
» एक्जिट पोल के हिसाब से बन रही कांग्रेस सरकार
» दोनों प्रमुख पार्टियां रणनीति बनाने में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कल 13 मई है। कर्नाटक के चुनाव परिणामों के आने का दिन। सभी सियासी दलों की धड़कने बढ़ी हुई हैं। सभी आपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। दोपहर 12 बजे तक ट्रेंड आने शुरू हो जाएंगे की वहां पर भाजपा सरकार रहेगी या जाएगी। वहीं कर्नाटक में मतगणना से पहले ही सियासी हलचल तेज हो गई है। इस बीच दोनों ही पार्टियों के बीच जेडीएस के बयान से खलबली मच गई है, जिसमें कुमारस्वामी की पार्टी ने समर्थन के लिए एक शर्त रखी है।

मतगणना से पहले भाजपा और कांग्रेस रणनीति बनाने में जुट गई है। एक तरफ डीके शिवकुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की तो वहीं कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और अन्य भाजपा नेताओं ने बेंगलुरु में पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक की।

हम 120 सीटें जीत रहे हैं : प्रियांक

कांग्रेस विधायक प्रियांक खरगे ने कहा कि हम 120 सीटें जीतने जा रहे हैं। त्रिशंकु सरकार का कोई सवाल ही नहीं है। हमें पूरा विश्वास है कि हम अपने दम पर सरकार बनाएंगे।

मेरे पास बैकअप योजना नहीं : डीके शिवकुमार

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार डीके शिवकुमार का भी जेडीएस के बयान पर रिएक्शन आया है। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल की अपनी थ्योरी होती है, मेरा नमूना आकार बहुत अधिक है और जिसके तहत हमारे पास सहज बहुमत होगा। शिवकुमार ने आगे कहा कि जेडीएस के बारे में वे नहीं सोच रहे हैं, कुमारस्वामी अपना फैसला लेने को आजाद हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि मेरे पास कोई बैकअप योजना नहीं है, मेरी एकमात्र योजना है कि कांग्रेस पार्टी सत्ता में आएगी।

त्रिशंकु विधानसभा के चांस नहीं : बोम्मई

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि त्रिशंकु विधानसभा की कोई संभावना नहीं है, हम आराम से सरकार बनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीके शिवकुमार केवल कल तक एग्जिट पोल वाली अपनी 141 सीटों से खुश हो सकते हैं।

जो सीएम बनाएगा उसको समर्थन : कुमारस्वामी

जेडीएस नेता कुमारस्वामी ने कहा कि उनकी पार्टी ने पहले ही तय कर लिया है कि वो चुनाव के बाद किसे समर्थन देने जा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी किसी भी राष्ट्रीय पार्टी के साथ गठबंधन करने को तैयार है, लेकिन एक शर्त होगी। शर्त यह होगी कि कुमारस्वामी को राज्य का सीएम बनाया जाए और उनकी पार्टी के नेताओं को मंत्री बनाया जाए। उनकी पार्टी के नेताओं को जल संसाधन, बिजली और सार्वजनिक कार्यों सहित प्रमुख पद दिए जाएं।

उचित समय आने पर करेंगे खुलासा : जेडीएस प्रवक्ता

जद(एस) ने दोनों पार्टियों को दे चुका है समर्थन जद (एस) का कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टियों को समर्थन देने का इतिहास रहा है। उसने 2006 में बीजेपी के साथ समझौता किया, जिसके बाद कुमारस्वामी पहली बार मुख्यमंत्री बने। इसके बाद पार्टी ने 2018 में कांग्रेस के साथ गठबंधन किया, जिसके बाद कुमारस्वामी दूसरी बार मुख्यमंत्री बने थे। जद (एस) के राष्ट्रीय प्रवक्ता तनवीर अहमद का कहना है कि हमने पहले ही तय कर लिया है कि हम किसके साथ सरकार बनाने जा रहे हैं। जनता के लिए उचित समय आने पर हम इसकी घोषणा करेंगे।

केंद्र की शिकायत लेकर फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे केजरीवाल

केंद्र पर लगाया आरोप-तबादले को लागू नहीं होने दे रहा

» अगले सप्ताह पीठ का गठन करेंगे सीजेआई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के सामने अफसरों के ट्रांसफर पोस्टिंग का मुद्दा उठाया है। केजरीवाल सरकार ने आरोप लगाया कि केंद्र उसके सेवा सचिव के तबादले को लागू नहीं कर रहा है।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वह अगले सप्ताह मामले की सुनवाई के लिए एक पीठ का गठन करेंगे। केजरीवाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के सामने अफसरों के ट्रांसफर पोस्टिंग का मुद्दा उठाते हुए कहा कि केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक काम नहीं कर रही है। दिल्ली सरकार ने आरोप लगाया है कि केंद्र सचिव का ट्रांसफर नहीं कर रहा है। बता दें कि कल सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल सरकार को स्थानांतरण-पदस्थापना पर नियंत्रण प्रदान किया था। कल केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच राष्ट्रीय राजधानी में प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण को लेकर लंबे समय चल रहे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों की पीठ ने अपना फैसला सुना दिया है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि यह सर्वसम्मति का फैसला है। बता दें, इस पीठ के अन्य सदस्य जस्टिस एमआर शाह, जस्टिस कृष्ण मुरारी, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस पीएस नरसिम्हा है।

बृजभूषण शरण सिंह से पुलिस ने की पूछताछ

» दर्ज कराया बयान, आरोपों को नकारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह दिल्ली पुलिस के सामने पेश हुए। दिल्ली पुलिस ने बृज भूषण का बयान दर्ज किया है। इसके साथ ही उनसे कुछ दस्तावेज भी मांगे हैं। दिल्ली पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने उन पर लगे सभी आरोपों को नकारा है। पुलिस के साथ ही एसआईटी भी बृजभूषण से पूछताछ करेगी।

बृजभूषण शरण ने अपनी सफाई मे कुछ वीडियो एविडेंस और मोबाइल डाटा जमा कराने की बात कही है, जो वो जल्द दिल्ली पुलिस को सौंपेंगे।

जांच के लिए एसआईटी टीम बनाई

इस मामले की जांच के लिए छह पुलिसवालों की एसआईटी टीम बनाई है जिसमें चार महिलाए हैं। इसके साथ ही महिला डीसीपी के अधीन 10 पुलिसवालों की भी एक टीम बनाई गई है।

सहायक सचिव के भी दर्ज हुए बयान

बृजभूषण शरण सिंह के साथ ही कुश्ती संघ के सहायक सचिव विनोद तोमर के भी बयान दर्ज किए गए हैं। दिल्ली पुलिस की एफआईआर में विनोद तोमर भी आरोपी हैं।

निगम चुनाव : भाजपा-सपा के बीच कड़ी टक्कर

कल आएगा परिणाम, उम्मीदवारों की धड़कने बढ़ीं

» बसपा मजबूती से लड़ी, कांग्रेस को भी उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव के दूसरे चरण में सात नगर निगम में भाजपा और सपा के बीच सीधा मुकाबला दिखा। वहीं, वर्ष 2017 में अलीगढ़ और मेरठ नगर निगम में काबिज रही बसपा, सपा के मुस्लिम वोट में सेंध लगाने से ज्यादा मुकाबले में कहीं टक्कर देती नजर नहीं आई। मेरठ और बरेली में मुस्लिम वोट बंटने का फायदा भाजपा को मिलता दिख रहा है। वहीं, अलीगढ़ में मुस्लिम वोट नहीं बंटने से सपा ने स्थिति मजबूत बनाई है।

दूसरे चरण के चुनाव में अयोध्या, अलीगढ़, मेरठ, बरेली, शाहजहांपुर, गाजियाबाद और कानपुर नगर निगम चुनाव में महापौर पद के लिए चुनाव हुआ। वर्ष 2017 में अलीगढ़ और मेरठ को छोड़कर शेष पांच नगर निगम में भाजपा का कब्जा था। बृहस्पतिवार को हुए मतदान में अयोध्या, बरेली, शाहजहांपुर और कानपुर में भाजपा और सपा के बीच ही मुकाबला दिखा। हालांकि 13 मई को साफ होगा कि लोकसभा चुनाव के पूर्वाभ्यास में कौन दल मैदान में टिकता है और कौन बाहर होता है।

अयोध्या- भाजपा और सपा के बीच जंग

अयोध्या नगर निगम चुनाव में महापौर पद पर भाजपा के प्रत्याशी गिरीश पति त्रिपाठी और सपा के आशीष पांडेय दीपू के बीच सीधी टक्कर दिखी। मतदान के दौरान प्रत्याशी व समर्थक लाख पैर पकड़ते रहे लेकिन मतदाताओं ने अपना मुंह नहीं खोला। इस खामोशी ने राजनीतिक दलों के माथे पर पसीना ला दिया है।

बरेली- मुस्लिम वोट बंटा

बरेली में फर्जी मतदान को लेकर सपा कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया। पुलिस को झड़पें शांत कराने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। कई जगहों पर मुस्लिम वोट सपा और बसपा के बीच बंटता दिखा। पर, महापौर चुनाव में भाजपा के डॉ. उमेश गौतम और सपा समर्थित डॉ. आईएस तोमर के बीच सीधा मुकाबला हुआ। बसपा और कांग्रेस तीसरे और चौथे नंबर की लड़ाई लड़ते नजर आए। चुनाव नतीजे ही बताएंगे कि डॉ. उमेश लगातार दूसरी बार महापौर बनते हैं या बरेली की जनता डॉ. आईएस तोमर पर एक बार फिर से विश्वास जताती है।

शाहजहांपुर- भाजपा-सपा में कांटे की भिड़ंत

शाहजहांपुर नगर निगम में पहली बार हुए मतदान में भाजपा और सपा के बीच सीधा मुकाबला हुआ। मुस्लिम बहुल नगर निगम क्षेत्र में भाजपा की अर्चना वर्मा और कांग्रेस की माला राठौर में से पहली महापौर कौन बनेगी यह तो शनिवार दोपहर तक ही पता चलेगा। लेकिन बसपा से शगुफ्ता अंजुम और कांग्रेस से निकहत इकबाल मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में होने के बाद भी मुस्लिम वोटों का ज्यादा बंटवारा नहीं दिखा। कुछ इलाकों में कांग्रेस के प्रति रुझान दिखा लेकिन बसपा मुकाबले में तीसरे और चौथे नंबर के लिए संघर्ष करती नजर आई।

गाजियाबाद- भाजपा को बढ़त

गाजियाबाद नगर निगम में महापौर पद के चुनाव में छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण हुआ। भाजपा ने जनता और कार्यकर्ताओं की नाराजगी को भांपते हुए गाजियाबाद में महापौर प्रत्याशी बदलकर सुनीता दयाल को मौका दिया। चुनाव के दौरान इसका असर भी देखने को मिला। भाजपा की सुनीता दयाल और सपा समर्थित पूनम यादव के बीच हुए मुकाबले में कुछ जगह भाजपा को बढ़त मिलती दिखी। जबकि कुछ जगह सीधा मुकाबला होता नजर आया। बसपा की निसारा खान कहीं कहीं सपा के मुस्लिम वोट बैंक में सेंध लगाती नजर आई। मतदाताओं की नजर है कि गाजियाबाद नगर निगम में भाजपा ही काबिज रहती है या किसी अन्य दल का भी खाता खुलेगा।

अलीगढ़- ध्रुवीकरण पर हुआ चुनाव

अलीगढ़ नगर निगम में महापौर चुनाव ध्रुवीकरण पर हुआ। भाजपा ने राष्ट्रवाद के नारे के बूते हिन्दू वोट बैंक में अधिक से अधिक वोट हासिल करने में ताकत लगाई। वहीं ध्रुवीकरण के कारण मुस्लिम वोट सीधे सपा के पक्ष नजर आया। भाजपा ने उद्योगपति प्रशांत सिंघल पर दांव लगाया है, वहीं सपा ने पूर्व विधायक जमीर उल्लाह, बसपा ने सलमान शाहिद को मैदान में उतारा। कम मतदान प्रतिशत ने भगवा टोली की चिंता बढ़ाई है। मुस्लिम वोट बैंक नहीं बंटने के कारण भाजपा और सपा के बीच ही कांटे का मुकाबला होने के आसार हैं।

मेरठ- मुस्लिम वोट बंटने से भाजपा का पलड़ा भारी

मेरठ नगर निकाय चुनाव में मुस्लिम वोटों में बंटवारे से भाजपा महापौर प्रत्याशी हरिकांत अहलूवालिया का पलड़ा भारी लग रहा है। हालांकि सपा और एआईएमआईएम उनके लिए चुनौती बन सकते हैं। सपा की तरफ मुस्लिम और अन्य वोटों के अलावा दलित मतदाताओं का भी काफी रुझान नजर आया।

कानपुर- इस बार लड़ाई से बाहर दिखी कांग्रेस

कानपुर नगर निगम महापौर चुनाव में मुकाबला भाजपा की प्रमिला पांडेय और सपा की वंदना बाजपेई के बीच नजर आया। वर्ष 2017 के चुनाव में भाजपा का सीधा मुकाबला कांग्रेस से था। इस बार कांग्रेस लड़ाई से बाहर दिख रही है। भाजपा में टिकट बंटवारे से लेकर उपजी नाराजगी मतदान के दिन ज्यादा नजर आई। ब्राह्मण वोटों में सपा की सेंधमारी से पहले जैसी स्थिति इस बार नहीं दिखी। दो दिन पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव के रोड शो के दौरान जिस तरह से सपा प्रत्याशी वंदना बाजपेई के पक्ष में मुस्लिम क्षेत्रों में माहौल बना था, मतदान के दिन अलग ही नजारा दिखा। जाजमऊ जैसे कई मुस्लिम क्षेत्रों में मुसलमानों का रुझान कांग्रेस की ओर रहा।

दूसरे चरण में 53 प्रतिशत मतदान

लखनऊ। नगरीय निकाय चुनाव के दूसरे व अंतिम चरण में 53 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। छिटपुट हंगामों और आरोप-प्रत्यारोप के अलावा सभी जिलों में शांतिपूर्वक मतदान संपन्न हुआ। 9 मंडलों के 38 जिलों में सबसे ज्यादा मतदान कानपुर देहात जिले में हुआ। जबकि सबसे कम कानपुर नगर में हुआ। इस चरण में कुल 39146 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम व मतपेटियों में बंद हो गया है। वोटों की गिनती शनिवार को होगी। दोनों चरणों को मिलाकर इस बार 52 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि पिछले चुनाव में 53 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले थे। दूसरे चरण के मतदान की शुरुआत पहले चरण से भी धीमी रही। सुबह 9 बजे तक मात्र 9.41 प्रतिशत मतदाताओं ने ही अपने मत का प्रयोग किया। 11 बजे तक मतदान का आंकड़ा 11 प्रतिशत पार कर गया। तीन बजे तक 40.80 प्रतिशत मतदान हुआ। अंतिम चरण में 7 महापौर, 581 पार्षद, 95 नगर पालिका परिषद अध्यक्ष, 2520 नगर पालिका परिषद सदस्य, 267 नगर पंचायत अध्यक्ष तथा 3459 नगर पंचायत सदस्यों के लिए वोट डाले गए। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने दावा किया कि सभी जगह शांतिपूर्वक ढंग से मतदान हुआ है।

जनता के काम रोकने वाले अफसर-कर्मी हटाए जाएंगे : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से अफसरों और कर्मचारियों के नियुक्ति और तबादले का अधिकार मिलने के बाद दिल्ली सरकार ने बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं। फैसला आने के तुरंत बाद इसका असर भी दिखा। कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सेवा विभाग के सचिव का तबादला कर दिया। साथ ही नई नियुक्ति का आदेश भी जारी कर दिया है। आने वाले दिनों में दिल्ली की आप सरकार अपने पसंदीदा अधिकारियों की तैनाती करेगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी माना कि अगले कुछ दिनों में दिल्ली में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल होंगे। बकौल मुख्यमंत्री, जनता के काम रोकने वाले अफसरों-कर्मचारियों की पहचान कर उनको पदों से हटाया जाएगा।

चुनाव में बड़े पैमाने पर हुई धांधली : अखिलेश

» आयोग को भेजा ज्ञापन, भाजपा में दिख रही हार की बौखलाहट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि निकाय चुनाव के दूसरे चरण के मतदान में भाजपा ने सरकार के संरक्षण में जमकर धांधली की है। शासन-प्रशासन और चुनाव आयोग मूकदर्शक रहा। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों में व्यवधान डालना लोकतांत्रिक व्यवस्था पर आघात करना है। प्रदेश में जहां भी मतदान हुआ, हर जगह से शिकायतें मिल रही हैं।सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार ने जनता को सामान्य सुविधाएं देने से वंचित रखा।

इसलिए जनता में भाजपा के प्रति भारी आकोश है। निकाय चुनावों में मतदान से भाजपा को शिकस्त देने और समाजवादी पार्टी को विजयी बनाने का मन बनाए मतदाताओं ने पूरा समर्थन दिया है। इससे भाजपाई बौखलाहट में हैं। विभिन्न स्थानों पर आतंक का माहौल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

कन्नौज में भाजपा सांसद ने किया आचार संहिता का उल्लंघन

कन्नौज में मुस्लिम मतदाताओं के साथ मारपीट कर उन्हें मतदान से वंचित किया गया। भाजपा सांसद खुलेआम आचार संहिता काउल्लंघन करते दिखे। बूथ कैप्चरिंग की भी शिकायतें मिली हैं। रामपुर के स्वार और मिर्जापुर के छानबे उपचुनाव में निष्पक्ष चुनाव नहीं होने दिया। भाजपा लगातार लोकतंत्र को कुचल रही है। सपा के पूर्व राज्य सभा सदस्य अरविंद कुमार सिंह ने पार्टी की ओर से राज्य निर्वाचन आयोग को ज्ञापन भेजा है। इसमें बताया कि एक दिन पहले ही भाजपा की ओर से चुनाव प्रभावित करने की बात बताई गई थी, जो चुनाव के दिन सच साबित हुई। नगर निकाय चुनावों के दूसरे चरण के मतदान के दौरान पुलिस प्रशासन ने लोकतंत्र और संविधान की धज्जियां उड़ाई।

जनता द्वारा, जनता के लिए... जवाबदेह सरकार

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को दी ताकत

» उपराज्यपाल नहीं कर सकेंगे मनमानी

» केंद्र नहीं कर पाएगी लक्ष्मण रेखा पार

» साल 2021 में केंद्र सरकार ने बढ़ाई थी एलजी की ताकत

» केजरीवाल पहुंचे थे सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आठ साल से अपनी सरकार को मजबूत करने की जद्दोजहद में जुटे अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट के फैसले से ताकत मिल गई है। अब दिल्ली सरकार अधिकारियों के काम-काज पर कड़ी निगरानी रख सकेगी साथ उनको इधर से उधर कर सकेगी। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी में अधिकारियों पर किसका नियंत्रण होगा, इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया। दिल्ली सरकार को ट्रांसफर, पोस्टिंग का अधिकार मिल गया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में साफ कहा कि केंद्र के अधिकार सिर्फ पुलिस, पब्लिक और जमीन तक सीमित है।

दिल्ली में विधानसभा और सरकार के कामकाज के लिए एक रूपरेखा प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) अधिनियम 1991 लागू है। साल 2021 में केंद्र सरकार ने दिल्ली के कानून के सेक्शन 21 में बदलाव किया गया जो ये कहता है कि दिल्ली में सरकार का मतलब उपराज्यपाल है। वहीं सेक्शन 44 में भी बड़ा बदलाव है। दिल्ली सरकार या विधानसभा द्वारा किए गए किसी भी फैसले के क्रियान्वयन के पहले उपराज्यपाल की राय लेना जरूरी हो जाएगा।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) अधिनियम में किए संशोधन में कहा गया कि राज्य की विधानसभा द्वारा बनाए गए किसी भी कानून में सरकार का मतलब उपराज्यपाल होगा। इसी वाक्य पर मूल रूप से दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार को आपत्ति थी। इसी को आम आदमी पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। केजरीवाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि राजधानी में भूमि और पुलिस जैसे कुछ मामलों को छोड़कर बाकी सभी मामलों में दिल्ली की चुनी हुई सरकार को सर्वोच्चता होनी चाहिए। इसके साथ ही दिल्ली सरकार का कहना था कि केंद्र शासित प्रदेश का प्रशासन चलाने के लिए आईएएस अधिकारियों पर राज्य सरकार को पूरा नियंत्रण मिलना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में क्या हुआ

दिल्ली में सर्विसेज किसके हाथ में है, इस अहम कानूनी सवाल पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुनाया गया। दिल्ली में सर्विसेज के अधिकार को लेकर केजरीवाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जो तर्क रखा था, काफी हद तक कोर्ट उस पर राजी दिखा। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में एक बड़ी लकीर भी खींची जिससे भविष्य में दिल्ली का बॉस कौन वाले सवाल पर केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच टकराव की स्थिति न पैदा हो। सुप्रीम कोर्ट ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाते हुए कहा कि एलजी के पास दिल्ली से जुड़े सभी मुद्दों पर व्यापक प्रशासनिक अधिकार नहीं हो सकते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों की तैनाती और तबादले का अधिकार दिल्ली सरकार के पास होगा। चुनी हुई सरकार के पास प्रशासनिक सेवाल का अधिकार होना चाहिए। उपराज्यपाल को सरकार की सलाह माननी होगी। पुलिस, पब्लिक ऑर्डर और लैंड का अधिकार केंद्र के पास रहेगा।

2 जजों के अलग अलग था मत

सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच ने 14 फरवरी 2019 को जो फैसला दिया था, उसमें दिल्ली में प्रशासनिक नियंत्रण किसके हाथ में हो, इसको लेकर दोनों जजों का मत अलग- अलग था। इस मामले में फैसले के लिए तीन जजों की बेंच गठित करने के लिए मामले को चीफ जस्टिस को रेफर कर दिया गया था। केंद्र ने दलील दी थी कि मामले को और बड़ी बेंच को भेजा जाए। एलजी को ज्यादा अधिकार दिए जाने के केंद्र के 2021 के कानून को भी दिल्ली सरकार ने चुनौती दी थी।

आर्टिकल 239 एए की स्थिति

सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के आर्टिकल 239एए पर भी बहुत कुछ साफ कर दिया। अब तक दिल्ली सरकार और केंद्र अपने-अपने तरह से व्याख्या करते थे और मतभेद बरकरार रहता था। इसी आर्टिकल 239 में केंद्र शासित प्रदेशों के लिए अधिकार है और दिल्ली केलिए एए विशेष रूप से जोड़ा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि आर्टिकल 239एए में दिल्ली विधानसभा को कई अधिकार दिए गए हैं। लेकिन केंद्र के साथ शक्तियों के संतुलन की बात भी कही गई है।

ये जनतंत्र की जीत : केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट करके अपनी खुशी का इजहार किया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को जनतंत्र की जीत बताते हुए कहा कि इससे दिल्ली के विकास की गति कई गुना बढ़ेगी। उन्होंने ट्वीट किया, दिल्ली के लोगों के साथ न्याय करने के लिए माननीय सुप्रीम कोर्ट का तहे दिल से शुक्रि या। इस निर्णय से दिल्ली के विकास की गति कई गुना बढ़ेगी। जनतंत्र की जीत हुई। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट करते हुए कहा कि दिल्ली के लोगों के साथ न्याय करने के लिए माननीय सुप्रीम कोर्ट का तहे दिल से शुक्रिया। इस निर्णय से दिल्ली के विकास की गति कई गुना बढ़ेगी। जनतंत्र की जीत हुई।

4 जुलाई 2018 का संवैधानिक बेंच का फैसला

सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने अपने फैसले में कहा था कि एलजी स्वतंत्र तौर पर काम नहीं करेंगे, अगर कोई अपवाद है तो वह मामले को राष्ट्रपति को रेफर कर सकते हैं और जो फैसला राष्ट्रपति लेंगे उस पर अमल करेंगे, यानी खुद कोई फैसला नहीं लेंगे। 2007 से लेकर अभी तक चार बार ऐसा मौका आया है, जिसमें दिल्ली सरकार और एलजी के बीच मतभिन्नता हुई और मामला राष्ट्रपति को रेफर हुआ था।

पहले क्या हुआ था

इससे पहले चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने सुनवाई के बाद 18 जनवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल ने मामले को बड़ी बेंच में भेजने की गुहार लगाई थी। वहीं, दिल्ली सरकार का कहना है कि राज्य या केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) तब तक सही तरह से काम नहीं कर सकते, जब तक कि उसके हाथ में सर्विसेज न हो। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में चली बहसों में विभिन्न पक्षों की ओर से रखी गई दलीलें संक्षेप में पेश की गई। चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली पांच जजों की बेंच को यह मामला रेफर किया गया था। संवैधानिक बेंच को यह मामला 6 मई 2022 को रेफर किया गया था। तत्कालीन चीफ जस्टिस एन.वी. रमण की अगुवाई वाली बेंच ने कहा था कि जस्टिस चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच मामले में उठे सवाल पर सुनवाई करेगी। सिर्फ सर्विसेज मामले में कंट्रोल किसका हो, इस मुद्दे पर उठे सवाल को संवैधानिक बेंच के सामने रेफर करते हैं।

क्या कर सकता है केंद्र

सुप्रीम कोर्ट ने उपराज्यपाल को लक्ष्मण रेखा दिखाई है। कोर्ट के फैसले को केंद्र सरकार के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। हालांकि केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ रिव्यू पिटीशन दाखिल कर सकता है। इसे बड़ी बेंच के पास भेजने की अपील कर सकती है।

आगे का असर

पुलिस, पब्लिक ऑर्डर और लैंड को छोड़कर दिल्ली की सरकार के पास अन्य राज्यों की सरकार की तरह की अधिकार होंगे। दिल्ली सरकार अधिकारियों की तैनाती और तबादले अपने हिसाब से कर सकेगी। दिल्ली सरकार को हर फैसले के लिए एलजी की अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी। अन्य राज्य की तरह उपराज्यपाल को सरकार की सलाह माननी पड़ेगी। इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण कि अब जिन मुद्दों पर केंद्र का कानून नहीं है, उस मामलों में चुनी हुई सरकार कानून बना सकेगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्राकृतिक आपदाओं से बचने की बने तकनीक

मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बना डीप डिप्रेशन चक्रवात मोचा में बदलेगा और शुक्रवार को अति भीषण तूफान में तब्दील हो जाएगा। चक्रवात का लैंडफाल बांग्लादेश में कॉक्स बाजार में 14 और म्यांमार में कुकपीयू में मई की सुबह बताया जा रहा है। इसके साथ ही कोस्ट गार्ड की टीम भी हाई अलर्ट पर है और एक कोस्ट गार्ड डिजास्टर रिलीफ टीम का गठन किया गया है जो ओडिशा और बंगाल के तटीय इलाकों में सक्रिय हो गई है।

चक्रवात मोचा से बचने के लिए बंगाल में आपदा मोच बलों ने तैयारी शुरू दिया है। पश्चिम बंगाल में एनडीआरएफ की छह टीमों को तैनात किया गया है। इनमें से तीन टीमों को पूर्वी मिदनापुर के रामनगर 1 ब्लॉक, रामनगर 2 और हल्दिया में तैनात किया गया है, और अन्य तीन टीमों को दक्षिण 24 परगना के गोसाबा कुलतली और काकद्वीप में और दो टीमों को उत्तर 24 परगना के हिंगलगंज और संदेशखली में तैनात किया गया है। भारत ने हालांकि पहले भी चक्रवाती तूफानों से बचने के लिए अच्छी तैयारियां की थी जिसकी वजह से तबाही से कई बार बचत हुई। सुदूर स्थानों पर जरूर थोड़ा असर होता है । चक्रवात ज्यदातर कोस्टल एरिया में ज्यादा आते है। ये मई से लेकर जुलाई के महीने में इन इलाकों को प्रभावित करते हैं। सरकारों को ऐसी तकनीकि बनानी चाहिए ताकि पहले से ही इन इलाकों में अलर्ट जारी किया जा सके ताकि जान-माल का नुकसान कम से कम हो।

मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बना डीप डिप्रेशन चक्रवात मोचा में बदलेगा और शुक्रवार को अति भीषण तूफान में तब्दील हो जाएगा। चक्रवात का लैंडफाल बांग्लादेश में कॉक्स बाजार में 14 और म्यांमार में कुकपीयू में मई की सुबह बताया जा रहा है। इसके साथ ही कोस्ट गार्ड की टीम भी हाई अलर्ट पर है और एक कोस्ट गार्ड डिजास्टर रिलीफ टीम का गठन किया गया है जो ओडिशा और बंगाल के तटीय इलाकों में सक्रिय हो गई है। लैंडफॉल के दौरान मोचा की अधिकतम गति 1×0 किमी प्रति घंटा होगी। हालांकि बंगाल पर इसका कितना असर पड़ेगा यह अभी साफ नहीं है। लेकिन बंगाल सरकार ने अभी से तटीय इलाकों में तैयारी शुरू कर दी है और प्रशासन को तुरंत जरूरी इंतजाम करने को कहा गया है। आईएमडी ने कहा कि बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवाती परिसंचरण अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पोर्ट ब्लेयर के पास एक गहरे दबाव में बदल गया है और संभवत: बुधवार शाम तक पूर्ण विकसित चक्रवात में बदल जाएगा। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, कोलकाता में निदेशक (मौसम) जारी एक बयान में कहा गया है, 11 मई को डीप डिप्रेशन धीरे-धीरे एक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा।12 मई को, यह दक्षिण-पूर्व और मध्य बंगाल की खाड़ी के आस-पास के क्षेत्रों में एक बहुत ही गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। यह 1× मई से थोड़ा कमजोर होगा और 14 मई की पूर्वाह्न के आसपास बांग्लादेश में कॉक्स बाजार के तटों और म्यांमार (रखाइन रा'य) में क्यौकप्यू के बीच से गुजरेगा।इ स बीच, अंडमान और निकोबार तट के मछुआरों को 1× मई तक समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। चक्रवाती मौसम के कारण और यात्रियों और जहाजों की सुरक्षा के मद्देनजर पोर्ट ब्लेयर में शिपिंग सेवा निदेशालय ने एक अधिसूचना जारी की है। वहां के लोगों को सर्तकता बरतना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बड़े नाम के बजाय जनता के मुद्दों को मिली तरजीह

केएस तोमर

शिमला नगर निगम चुनावों में भाजपा नेतृत्व ने अपने कार्यकाल में किये गये विकास कार्यों का हवाला देकर जनता से वोट मांगे वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता को भुनाने का प्रयास भी किया। भाजपा के महापौर तथा अन्य पार्षदों द्वारा भी यही तरीका अपनाया गया। पार्टी के पोस्टरों में प्रधानमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के चित्र खूब बड़े-बड़े छापे और प्रदेश के नेताओं को पीछे रखा लेकिन पार्टी प्रत्याशी इसका लाभ नहीं उठा पाये। बता दें कि नड्डा स्वयं हिमाचल से ही हैं। वहीं इस तरह के चुनाव प्रचार को लेकर कांग्रेस के नेता मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, प्रदेश पार्टी अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री भाजपा पर बार-बार कटाक्ष करते रहे कि प्रधानमंत्री को नगर निगम स्तर का नेता बना दिया है। उनका यह भी दावा रहा कि मोदी का करिश्मा प्रदेश में निरंतर फेल हो रहा है। कांग्रेस नेताओं ने पूर्ववर्ती जयराम सरकार के 2017 से 2022 तक के कार्यकाल के कथित निराशाजनक कामकाज तथा निगम पार्षदों द्वारा जनाकांक्षाओं के अनुरूप काम न करने को मुख्य मुद्दा बनाया और मतदाताओं से डबल इंजन सरकार को नकारने की अपील की।

विश्लेषकों का मत है कि शिमला नगर निगम चुनावों में कांग्रेस की जीत की ठंडी बयार कर्नाटक की ओर रुख कर सकती है ताकि वहां की उमसभरी गर्मी के बीच संघर्ष कर रहे कांग्रेस के उन नेताओं व कार्यकर्ताओं को ठंडक का अहसास हो जो भगवा पार्टी के आसानी से स्वतंत्र बहुमत प्राप्त कर दक्षिण के निर्बाध सफर के प्रयास को रोकने में लगे हैं। नवंबर, 2022 के हिमाचल विधानसभा चुनावों में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तीन दर्जन से अधिक राष्ट्रीय नेताओं ने डबल इंजन सरकार और विकास के मुद्दे के नारों के साथ इस पहाड़ी राज्य में सत्ता बरकरार रखने के लिए अभियान चलाया। हाल के विधानसभा चुनावों में जीत के बाद पहले ही बजट में अपनी दो प्रमुख गारंटी लागू करने से उत्साहित कांग्रेस ने नगर निगम के लिए 14 वार्डों का घोषणा पत्र जारी किया जिसमें पार्किंग समस्या का समाधान, निर्बाध बिजली व पेयजल आपूर्ति और इंडोर स्टेडियम स्थापित करने जैसी घोषणाएं थीं जिन्हें लोगों ने स्वीकार किया।

दूसरी ओर, भाजपा ने एक निगम एक टैक्स, कचरा एकत्र करने के कर में 50 प्रतिशत छूट, 20000 लीटर मुफ्त पेयजल, ढांचागत सुधार और

आवारा जानवरों व बन्दरों की समस्या से निजात दिलाने का वायदा किया लेकिन मतदाताओं ने इनको नकार दिया। आश्चर्यजनक व रोचक कि आम आदमी पार्टी ने चुनावी जमीन तलाशने के लिए 21 प्रत्याशी मैदान में उतारे लेकिन सभी हार गए। कुल 55385 मतों में आम आदमी पार्टी को मात्र 373 मत ही मिले। इन चुनावों में भाजपा के निगम की सत्ता से बाहर होने से जाहिर है कि व्यवस्थित प्रचार तंत्र, साधनों की पूरी ताकत और कर्मठ स्वयंसेवकों के सहयोग के बावजूद वह मतदाताओं को अपने पक्ष में नहीं कर पायी। राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि हिमाचल में भाजपा के पक्ष को उसी समय प्रदेश की जनता ने नकार दिया था जब मंडी संसदीय सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी प्रतिभा सिंह ने जीत दर्ज की थी। शिमला नगर निगम में भी डबल इंज़न था क्योंकि प्रदेश सरकार के साथ भाजपा पांच वर्षों से निगम पर काबिज थी। लगता है लोगों में सरकार और निगम के कामकाज को लेकर काफी नाराजगी थी। शहर में उचित पार व्यवस्था का अभाव, सफाई के खराब हालात, लचर पेयजल और बिजली आपूर्ति व्यवस्था से मतदाता निराश था। इसके विपरीत कम समय में ही सुक्खू सरकार यह धारणा पैदा करने में सफल रही कि जो वायदे किये हैं वे पूरा होंगे। कर्मचारियों की पुरानी पेंशन स्कीम बहाली की मांग लागू कर दी और महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रुपये देने की कवायद भी शुरू कर दी। पूर्व की भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान जहां पुरानी पेंशन बहाली की मांग को नकार दिया था वहीं सेब उत्पादकों के साथ भी सौतेला व्यवहार किया। किसानों ने शिमला में धरना-प्रदर्शन भी किया था लेकिन सरकार टस से मस नहीं हुई। ऐसे में प्रदेश के सशक्त कर्मचारी संगठन और सेब उत्पादक किसानों ने भाजपा का विरोध किया।

शिमला में लगभग सभी 34 वार्डों में बड़ी संख्या में सेब उत्पादक परिवार रहते हैं। इन दो वर्गों का विरोध ही भाजपा को ले डूबा। साथ ही मतदाता चाहते थे कि पांच माह पूर्व सत्ता में आई कांग्रेस सरकार को अपनी कारगुजारी साबित करने का कुछ और समय दिया जाए। इस जीत से कांग्रेस नेतृत्व और कार्यकर्ताओं का उत्साहित होना स्वाभाविक है। ऐसे में अब कांग्रेस पार्टी भी नये आत्मविश्वास के साथ लोकसभा चुनाव-2024 में प्रदेश की चारों सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ेगी।

एक गिरफ्तारी के जरिये कई निशाने

पुष्परंजन

बिलावल भुट्टो जरदारी जब एससीओ बैठक में गोवा आये थे, तब किसी पत्रकार ने यह नहीं पूछा था कि इमरान खान की गिरफ्तारी कब हो रही है? बिलावल भुट्टो जरदारी बहैसियत पाकिस्तान के विदेश मंत्री ही नहीं हैं, उनकी पार्टी सत्ता में साझीदार है, चुनांचे इतने बड़े फैसले से वो अनजान नहीं थे। इस गिरफ्तारी की टाइमिंग तो तय थी। इस्लामाबाद हाईकोर्ट के परिसर में 9 मई, 2023 को दिन में सवा दो बजे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जिस तरह से गिरफ्तारी हुई है, वह शेष दुनिया के लिए बड़ा सवाल छोड़ गया है। 10 मई को इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि इमरान ख़ान की गिरफ्तारी अवैध नहीं है। इमरान अल जादिर ट्रस्ट घोटाले की सुनवाई में दूसरी बार अदालत में हाजिर हुए थे।

पाकिस्तान का प्रतिपक्ष गिरफ्तारी से तपा हुआ है। आगजनी और हिंसा की देशव्यापी घटनाओं से दो जून की रोटी के लिए प्रयासरत पाकिस्तान का अवाम परेशान है। इमरान के वकील फैजल फरीद चौधरी ने बयान दिया कि हाईकोर्ट के इस ऑब्जर्वेशन के विरुद्ध हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने स्पष्ट किया कि कई बार कोर्ट नोटिस के बावजूद इमरान ख़ान अदालत में हाजिर नहीं हो रहे थे। उनकी गिरफ्तारी की एक बड़ी वजह यह भी है। इमरान खान के सिर और टांगों में चोटें आई हैं। कोर्ट परिसर में उपस्थित कुछ वकील और पीटीआई के कार्यकर्ता भी घायल हुए हैं। सोशल मीडिया पर मिर्च मसाले के साथ चली ख़बर ने देश में माहौल गरमा दिया है, जिस वजह से पंजाब में 14 मई को होने वाला चुनाव अब संभव नहीं दिखता। पाक सुप्रीम कोर्ट ने 14 मई, 2023 को पंजाब में चुनाव कराने का आदेश दिया था, लेकिन सुरक्षा कारणों का हवाला देकर राणा सनाउल्लाह ने पिछले माह ही हाथ खड़े कर दिये थे। यह दीगर है कि इमरान ख़ान की पार्टी, 'पाकिस्तान तहरीक ए-इंसाफ' पंजाब में अपनी जमीन जरखेज कर रही थी। क्या इसका डर नहीं था कि पंजाब के चुनाव में इमरान खान विक्टिम कार्ड खेलकर सारा खेल बिगा? सकते थे?

दरअसल, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ किसी भी कीमत पर पंजाब अपने हाथ से नहीं निकलने देना चाहते हैं। शरीफ परिवार की पूरी राजनीति पंजाब केंद्रित है, ठीक उसी तरह से जैसे भुट्टो का ख़ानदान सिंध की राजनीति करता रहा है। पाकिस्तान में आम फहम है कि जिस भी पार्टी की सत्ता पंजाब में होती है, उसके लिए इस्लामाबाद की गद्दी आसान होती है। पाकिस्तान में सूबा ए पंजाब एक कार्यकारी मुख्यमंत्री के कंधे के सहारे चल रहा है। इस साल 30 अप्रैल तक वहां चुनाव हो जाना था, लेकिन शासन ने कहा कि 8 अक्टूबर को चुनाव कराना संभव होगा। इस बीच विपक्ष की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 14 मई, 2023 को पंजाब में चुनाव करा लेने की तारीख तय की थी। जो बातें निकलकर सामने आ रही हैं, उससे लगता है कि पाकिस्तान में न्यायपालिका का एक बड़ा हिस्सा देशव्यापी हिंसक माहौल बनाने में पेट्रोल का काम कर रहा है।

पाकिस्तान के सबसे बड़े सूबे पंजाब में जुलाई, 2022 को हुए उपचुनाव की 20 सीटों में से 15 पर पीटीआई को सफलता हाथ लगी थी। पीटीआई की इस सफलता के बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बेटे और पीएमएल-एन के नेता हमजा शहबाज की मुख्यमंत्री वाली कुर्सी चली गई थी। चौधरी परवेज इलाही तब पंजाब के मुख्यमंत्री बनाये गये। उसके तीन माह बाद, 16 और 30 अक्टूबर, 2022 को हुए उपचुनाव में इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को नेशनल असेंबली की नौ सीटों में से सात, और पंजाब विधानसभा की तीन में से दो सीटों पर सफलता मिली थी। लेकिन 22 जनवरी, 2023 को पंजाब असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव पास होने के बाद परवेज इलाही की सरकार भी चली गई, मोहसीन रजा नकवी कार्यकारी मुख्यमंत्री बनाये गये। 23 साल पहले, 1999 में पाकिस्तान में एक संस्था बनी थी, नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (एनएबी) इसका काम भ्रष्टाचार में शामिल नेताओं-नौकरशाहों, सेना के अधिकारियों को पकड़ना था। शाहे वक्त को सलाम करने वाला एनएबी विरोधियों को निपटाने के काम आता रहा है। 2018 में एनएबी ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनके परिवार को भी पनामा पेपर्स में नहीं बख्शा था। जून, 2019 में पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी साढ़े चार अरब रुपये के बैंक घोटाले मामले में गिरफ्तार किये गये थे। यह मान कर चलें कि शरीफ और भुट्टो कुनबे को एक करने में एनएबी की कार्रवाई ने सीमेंट का काम किया था। यही लोग जब सत्ता में आते हैं, इनके सातों खून माफ हो जाते हैं।

इमरान खान को इसका अहसास था कि वो गिरफ्तार किये जाएंगे, इसलिए 9 मई, 2023 को गिरफ्तारी से पहले उन्होंने अपना एक वीडियो भी जारी कर दिया था। सबसे दिलचस्प है, इस प्रकरण में सेना और पैरा मिलिट्री का कूद पढ़ना। पाक सेना के इंटर पब्लिक प्रेस रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक प्रेस रिलीज के जरिये इमरान ख़ान को चेतावनी दी है कि वो सेना के अधिकारियों के विरुद्ध दुष्प्रचार न करें। लेकिन इमरान की गिरफ्तारी में सिंध और पंजाब रेंजर्स (पैरा मिलिट्री फोर्स) के इस्तेमाल पर भी सवाल उठा है। 'आईएसपीआर' का कहना है कि पाकिस्तान रेंजर्स आर्डिनेंस-1959, और मुल्की आइन का अनुच्छेद-147 इसकी अनुमति देता है कि रेंजर्स, एनएबी की कार्रवाई में इस्तेमाल किये जा सकते हैं।

मदर्स डे पर गिफ्ट करें ट्रेंडिंग ज्वेलरी

कहते हैं कि इस दुनिया का सबसे खूबसूरत रिश्ता मां और बच्चे का होता है। ये रिश्ता किसी शर्त से नहीं बंधा होता। एक मां अपने बच्चे को बिना किसी शर्त के प्यार करती है। एक मां अपने बच्चे को दुनिया में लाने के लिए पूरे नौ महीने तक इतने कष्ट सहती हैं। यही वजह है कि, हर किसी की जिंदगी में उनकी मां का स्थान सबसे ऊपर होता है। वैसे तो मां को स्पेशल फील कराने के लिए हर दिन कुछ ना कुछ करना चाहिए, पर आज-कल की व्यस्त लाइफ में बच्चे भी मां से दूर रहते हैं। ऐसे में हर साल मदर्स डे मनाया जाता है।

चेन पेंडेंट ज्वेलरी सेट

आज-कल महिलाओं को चेन पेंडेंट पहनना काफी पसंद होता है। अगर आप अपनी मां को ये गिफ्ट में देंगे तो उनका दिल जरूर जीत लेंगे।

क्लासी लगते हैं कुंदन सेट

अगर आपकी मां को नेट की साड़ी पहनना पसंद हैं तो उन्हें आप कुंदन जड़े नेकपीस गिफ्ट कर सकते हैं। आप इसमें सिंगल कलर भी ले सकती हैं और चाहें तो मल्टीकलर सेट खरीद कर गिफ्ट करें।

ऑक्सीडाइज ज्वेलरी सेट

इस तरह की ऑक्सीडाइज ज्वेलरी सेट आज-कल काफी ट्रेंड में है। ये आपके बजट में भी आएंगे। अगर आपकी मां को कॉटन अनारकली सूट के साथ या ऑर्गेंजा साड़ी पहनना पसंद है तो उनके लिए ऑक्सीडाइज ज्वेलरी सेट बेस्ट रहेगा।

मां की ममता को शब्दों में बांधना नामुमकिन

मदर्स डे

मां एक ऐसा शब्द हैं जिसे लिखने वाला कभी अपनी कलम से पूरा नहीं कर पाता। मां की ममता को शब्दों में बांधना नामुमकिन हैं। हर एक मां में भगवान की छवि होती हैं कहते हैं भगवान हर किसी के पास नहीं जा पाते इसलिए मां को भेजते हैं। मां शब्द ही अनमोल हैं इसके आगे पीछे कुछ भी कहना कम हैं ममता को शब्दों में व्यक्त करना ही नामुमकिन हैं। मातृत्व के आगे गलत सही की परिभाषा ही बदल जाती हैं। माता एक ऐसी ढाल हैं जो साथ हैं तो जीवन सदैव चिंतामुक्त रहता हैं। ममता की भावना सभी तकलीफों से ऊपर होती हैं एक मां कितना भी दुःख सहले अपने बच्चे को हमेशा खुशी देती हैं उसके लिए वो हर तकलीफ उठाती हैं जिससे उसे बस खुशी मिलती हैं। मां अपने बच्चों के लिए हर कुर्बानी देती हैं। फिर भी हर दम मुस्काती हैं।

दुनिया में अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है मदर्स डे

मदर्स डे वह विशेष दिन है जोकि अपनी मां को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। यह हर साल मनाया जाता है। यह आधुनिक समय का जश्न है जिसकी शुरुआत उत्तरी अमेरिका से हुई है। इसे दुनिया में अलग-अलग देशों में अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। यह दिन केवल मां को ही नहीं, बल्कि लोग इस दिन अपनी दादी, नानी और अपने घर की अन्य महत्वपूर्ण महिलाओं को भी सम्मानित करने के लिए मनाते हैं।

इस दिन मां को करते हैं अपने प्यार का इजहार

भारत में मई महीने के दूसरे रविवार को भारत में मदर्स डे मनाया जाता है। इस साल मातृ दिवस रविवार यानी 14 मई को मनाया जाएगा। इस दिन हम अपनी माताओं को धन्यवाद देते हैं और उनके प्रति अपने प्यार और कृतज्ञता का इजहार करते हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे ज्वेलरी आइटम के बारे में बताएंगे जिन्हें आप अपनी मां को गिफ्ट दे सकती हैं। इन्हें गिफ्ट देकर आप अपनी मां को उनके खास होने का एहसास करा सकते हैं।

हंसना मना है

पति (फोन पर पत्नी से)- तुम बहुत प्यारी हो...! पत्नी- थैंक्स...! पति- तुम बिल्कुल राजकुमारी जैसी हो...! पत्नी- थैंक्यू सो मच... और बताओ क्या कर रहे हो, पति- खाली बैठा था, सोचा मजाक ही कर लूं...! पत्नी आओ बेलन लेकर इंतजार कर रही हूं।

पति ने पत्नी से बड़े ही प्यार से कहा - काश तुम शक्कर होती, कभी तो मीठा बोलती... पत्नी- काश तुम अदरक होते, कसम से... जी भर के कूटती...! पत्नी का जवाब सुन कर पति बेहोश।

नए-नए डॉक्टर ने अपने जीवन का पहला ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के थोड़ी देर बाद ही मरीज मर गया। डॉक्टर ने दीवार पर टंगी भगवान की तस्वीर की ओर हाथ जोड़कर सिर झुकाते हुए पूरी श्रध्दा से कहा- हे प्रभु, मेरी ओर से यह पहली भेंट स्वीकार कीजिए...

लड़की- हम तेरे बिन अब रह नहीं सकते, तेरे बिना क्या वजूद मेरा। लड़का- कौन हो आप? लड़की- तुझसे जुदा अगर हो जाएंगे तो खुद से ही हो जाएंगे जुदा। लड़का- तुम सचमुच मुझसे शादी करोगी? लड़की- इस गाने को अपनी कॉलर ट्यून बनाने के लिए 8 दबाएं।

कहानी | लड़ती बकरियां और सियार

बहुत समय पहले की बात है। एक जंगल में किसी बात को लेकर दो बकरियों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े को वहां से गुजर रहा एक साधु देख रहा था। देखते ही देखते दो बकरियों में झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों आपस में लड़ने लगीं। उसी समय वहां से एक सियार भी गुजरा। वह बहुत भूखा था। जब उसने दोनों बकरियों को झगड़ते देखा, तो उसके मुंह में पानी आ गया। बकरियों की लड़ाई इतनी बढ़ गई थी कि दोनों ने एक-दूसरे को लहूलुहान कर दिया था, लेकिन फिर भी लड़ना नहीं छोड़ रही थीं। दोनों बकरियों के शरीर खून निकलने लगा था। भूखे सियार ने जब जमीन पर फैले खून की तरफ देखा, तो उसे चाटने लगा और धीरे-धीरे उनके करीब जाने लगा। उसकी भूख और ज्यादा बढ़ गई थी। उसके मन में आया कि क्यों न दोनों बकरियों को मारकर अपनी भूख मिटाई जाए। वहीं, दूर खड़ा साधु यह सब देख रहा था। जब उसने सियार को दोनों बकरियों के बीच जाते हुए देखा, तो सोचा कि अगर सियार इन दोनों बकरियों के और करीब गया, तो उसे चोट लग सकती है। यहां तक कि उसकी जान भी जा सकती है। साधु अभी यह सोच ही रहा था कि सियार दोनों बकरियों के बीच पहुंच गया। बकरियों ने जैसे ही उसे अपने पास आते देखा, तो दोनों ने लड़ना छोड़कर उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सियार अपने आप को संभाल नहीं सका और चोटिल हो गया। वह किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहां से भागा। सियार को भागता देख बकरियां ने भी लड़ना छोड़ दिया और अपने घर लौट गईं। वहीं, साधु भी अपने घर की ओर चल दिया।

कहानी से सीख- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। साथ ही दूसरों की लड़ाई में नहीं कूदना चाहिए, इससे हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। घर पर किसी दोस्त की पार्टी का इनविटेशन आ सकता है। आपको काफी अच्छा लगेगा। आर्ट्स स्टूडेंट्स के लिए दिन शानदार रहने वाला है।

वृषभ

व्यावसायिक एवं आर्थिक परिवेश में आज कुछ के लिए नए अवसर विस्तार और लाभ के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा है।

मिथुन

आज आपकी कम्पनी को किसी बड़ी कंपनी से डील करने का ऑफर मिल सकता है। संगीत के क्षेत्र से जुड़े लोग किसी कॉन्सर्ट में हिस्सा ले सकते हैं।

कर्क

आज आप कठिनाइयों को दूर करने और प्रगति की ओर बढ़ने में सक्षम होंगे। आपकी मेहनत का अप्रत्याशित रूप से खूबसूरती से भुगतान किया जाएगा।

सिंह

आज कोई खास खबर मिलने के योग हैं। लॉ स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई-लिखाई में थोड़ा बदलाव करने की सोच सकते हैं, जो कि उनके भविष्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

कन्या

आप खुश और हंसमुख रहेंगे। आपके पास कई अवसर होंगे और वरिष्ठों से सहयोग प्राप्त होगा। वित्तीय स्थिति में भी काफी सुधार होगा।

तुला

आज आपका दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा। आपको दूसरों की मदद करने का मौका मिलेगा। इससे आपको फायदा होगा। आज आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है।

वृश्चिक

आप अपने अधीनस्थ अथवा सहभागी को महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील मुद्दों को समझने में मदद कर सकते हैं। अविवाहितों को अपना जीवनसाथी मिल सकता है।

धनु

आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी। अगर आप किसी को पसंद करते हैं और उससे अपनी दिल की बात कहना चाहते हैं, तो आज का दिन फेवरेबल है।

मकर

आर्थिक मामलों में सुधार और कुछ व्यापारिक यात्राओं के योग बन रहे हैं। कामों में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी तथा परिवार के साथ आनंददायी समय बीतेगा।

कुम्भ

आज आपको परिवार वालों का पूर्ण स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। आपके कुछ मित्र बहुत ही मददगार साबित होंगे। आज ऑफिस में आपके ड्रेस की तारीफ होगी।

मीन

व्यावसायिक संदर्भ में कार्यस्थल पर आप बहुत ऊर्जावान रहेंगे। आप अपने व्यवहार में अत्यधिक सफल होंगे और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाएंगे।

'उलझ' में आईएफएस ऑफिसर के रोल में दिखेंगी जाह्नवी कपूर

बॉलीवुड मसाला

जाह्नवी कपूर एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई है। दरअसल, जाह्नवी कपूर ने हाल ही में एक नई देशभक्ति फिल्म को साइन किया है। इस मूवी में एक्ट्रेस देशभक्त के रोल में नजर आने वाली है। इस फिल्म को साइन करने के बाद जाह्नवी कपूर काफी ज्यादा एक्साइटेड नजर आ रही हैं।

जाह्नवी कपूर ने जंगली पिक्चर्स के बैनर तले बनने जा रही उलझ को साइन कर लिया है। जाह्नवी कपूर की इस मूवी को जाने माने फिल्म डायरेक्टर सुधांशु सरिया डायरेक्ट करेंगे। सुधांशु सरिया नेशनल अवॉर्ड विनर भी रह चुके हैं। इसके साथ इस मूवी की स्क्रिप्ट सरिया और परवेज शेख ने और डायलॉग्स अतिका चौहान ने लिखे हैं। इस मूवी की शूटिंग मई के आखिर तक शुरू होने की उम्मीद की जा रही है।

जाह्नवी कपूर इस फिल्म को साइन करने के बाद काफी एक्साइटेड दिख रही हैं। फिल्म का एलान होने के बाद एक्ट्रेस ने कहा, फिल्म की स्क्रिप्ट के साथ मुझसे कान्टैक्ट किया गया। फिल्म की स्क्रिप्ट ने काफी अट्रैक्ट किया। इसकी एक वजह ये भी है कि मैं एक ऐसी फिल्म की तलाश में थी कि जो मुझे मेरे कंफर्ट जोन से बाहर आने में हेल्प करे।

इस देशभक्ति मूवी में जाह्नवी कपूर एक देशभक्त आईएफएस ऑफिसर के रोल में नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस के फैंस ने उलझ का बेसब्री से इंतजार करना शुरू कर दिया है।

फिल्म की स्टारकास्ट

जाह्नवी कपूर की उलझ में उनके अलावा गुलशन देवैया, रोशन मैथ्यू, राजेश तैलंग, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी जैसे सितारे अपनी एक्टिंग का कमाल दिखाते हुए नजर आने वाले हैं।

'हम रहें न रहें हम' में टीना दत्ता संग नजर आयेंगे करणवीर वोहरा

टीवी इंडस्ट्री पर कई बेहतरीन शोज में विलेन का किरदार करने वाले करणवीर बोहरा आए दिन सुर्खियों में बने रहते हैं। एक बार फिर से करणवीर बोहरा अपने एक शो को लेकर लाइमलाइट में आ गए हैं। इस बार एक्टर टीना दत्ता स्टारर शो में निगेटिव रोल में जलवा दिखाने को तैयार हो गए हैं। करणवीर बोहरा कई शोज में विलेन का किरदार निभा चुके हैं। उन सभी शोज में करणवीर बोहरा के काम को काफी पसंद किया जा चुका है। अब एक बार फिर से एक्टर टीना दत्ता स्टारर में विलेन बन धमाल मचाने वाले हैं। करणवीर बोहरा के तमाम फैंस उन्हें शो में देखने के लिए बेताब है।

करणवीर बोहरा विलेन का रोल करने में माहिर है। एक्टर इस बारे में बात करते हुए कहा कि, मैं इस तरह के किरदार को बखूबी को निभा लेता हूं। मैं इसे सबसे अच्छी तरह से करता हूं। मेरा रोल न बहुत बुरा होता है और न ही बहुत अच्छा। इसके साथ एक्टर ने शो से जुड़ने को लेकर बताया कि, मुझे मेरा रोल, लुक पसंद है। मैं काफी शौहरत हासिल कर चुका हूं, और इस शो का हिस्सा बनने पर काफी खुश हूं। इसके साथ करणवीर बोहरा ने शो में अपने रोल के बारे में ज्यादा बात नहीं की, उनका कहना था कि वो चाहते हैं कि दर्शक उनके रोल को शो में देखें।

इस शो की स्टोरी एक खुले थाट्स वाली लड़की सुरीली की है। शो की स्टोरी सुरीली के ही ईर्द गिर्द घूमती है। सुरीली बहुत ही सिंपल लाइफ जीना पसंद करती है। इसके साथ दूसरी तरफ शिवेंद्र रणकगढ़ की रॉयल फैमिली के सख्त रूल्स में पला बढ़ा है। इन सबके बवजूद दोनों एक दूसरे को प्यार करने लगते हैं।

बॉलीवुड **मन की बात**

मैं बेहतर डिजर्व करती थी, तब भी कभी निराश नहीं हुई : कंगना

बॉलीवुड की क्वीन यानी कंगना रनौत को उनकी बेहतरीन एक्टिंग के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर में कॉमेडी फिल्में भी की हैं, जिसमें रास्कल्स और डबल धमाल शामिल हैं। इन फिल्मों को लेकर कंगना रनौत का कहना है कि उन्हें पता था कि वह बेहतर डिजर्व करती हैं, इसके बावजूद उन्होंने इनमें काम किया और उनका ये फैसला बिल्कुल भी गलत नहीं था। कंगना रनौत ने इंस्टा स्टोरी पर अपने एक पुराने इंटरव्यू का एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वह कहती है, लाइफ में कभी ना कभी हर कोई एक गलत डिसीजन लेता है। लोग कहते है कि तुम्हें रास्कल जैसी फिल्म, डबल धमाल जैसी फिल्म नहीं करनी चाहिए थी। आप बेहतर डिजर्व करते हैं। हां, लेकिन मेरे ऑप्शन का कोई काम नहीं बचा था, तो मैंने किसी काम को छोटा नहीं समझा। उन्होंने आगे कहा कि ये सब उनके प्लान में था क्योंकि फिल्मों से उन्हें जो सैलरी मिली थी, उससे उन्होंने कैलीफॉर्निया में एक शॉर्ट फिल्म बनाई और न्यूयॉर्क फिल्म एकेडमी से एक कोर्स भी कम्प्लीट किया। इस वीडियो को इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट करते हुए कंगना रनौत ने कैप्शन में लिखा, मुझे पता था कि मैं बेहतर डिजर्व करती थी, तब भी मैं कभी निराश नहीं हुई और मैंने कभी कोई गलत निर्णय नहीं लिया। इन प्यारी खूबसूरत यादों के लिए फैंस का शुक्रिया। गौरतलब है कि इन दिनों कंगना रनौत की कई फिल्में पाइपलाइन में हैं। वह बहुत जल्द फिल्म इमरजेंसी में नजर आएंगे, जिसमें वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में दिखेंगी। इस फिल्म का निर्देशन उन्होंने खुद किया है। इसके अलावा कंगना रनौत के पास तेजस, चंद्रमुखी 2, मणिकर्णिका रिटर्न्स द लेजेंट ऑफ दिद्दा और इनकार्नेशन: सीता जैसी फिल्में हैं।

दुनिया का सबसे महंगा आलू, एक किलो की कीमत में खरीद सकते हैं सोना

आलू का लगभग सभी सब्जियों में इस्तेमाल किया जाता है। इसीलिए आलू को सब्जियों का राजा कहा जाता है, क्योंकि वह सदाबहार होता है। किसी भी सब्जी में आलू आसानी से घुलमिल जाता है। आलू को लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। सबसे खास बात यह है कि आलू की कीमत दूसरी सब्जियों से भी कम होती है। लेकिन आलू की एक किस्म है जो इसे सच में राजा की उपाधि दिलाती है। आज हम आपको आलू की इस किस्म के बारे में बताने वाले हैं, जिसकी कीमत बाजार में 10-20 रुपये किलो नहीं है। इस आलू को आम आदमी खरीद नहीं सकता है, क्योंकि इसकी कीमत इतनी ज्यादा है। अगर सैलरी से घर चलाने वाले लोग इस आलू को खरीदना चाहें, तो उन्हें लोन लेना पड़ सकता है। आपके मन में सवाल खड़ा हो रहा होगा कि आखिर यह आलू की कौन सी किस्म है और इसकी कीमत कितनी है? अगर आप इस आलू की कीमत के बारे में सुनेंगे, तो कहेंगे कि इससे अच्छा तो सोना खरीदना अच्छा है। सबसे खास बात यह है कि इतना महंगा होने के बाद भी दुनियाभर में इस आल की मांग है। दुनियाभर के अमीर इस आलू को बड़े शौक से खाते हैं। दरअसल इस विदेशी किस्म का आलू का नाम स्र्द्ग क्ष्द्वड्डह्लद्ग है, जिसकी कीमत जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे। इस आलू की एक किलो की कीमत 50 हजार रुपये है। इस आलू के एक किलो की कीमत में 10 ग्राम सोना खरीदा जा सकता है। इस आलू की खेती फ्रांस के द्वीप द्बद्य स्रद्ग ह्वश्चद्बह्लह्लद्ग पर खास तौर से होती है। रेतीली मिट्टी पर इसकी खेती की जाती है। समुद्री शैवाल इसके खाद का काम करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी खेती सिर्फ 50 वर्ग मीटर के जमीन पर ही होती है। यह आलू सिर्फ इसी द्वीप पर उगाया जाता है और बाजार में सिर्फ 10 दिन के लिए मिलता है, जिसकी वजह से यह इतना महंगा बिकता है। बताया जाता है कि इस आलू में कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं। इस आलू का छिलका भी फायदेमंद होता है। इस आलू को खाने वालों का कहना है कि इसमें नींबू, नमक और अखरोट का मिलाजुला स्वाद मिलता है। खासतौर पर इस आलू से सलाद, प्यूरी, सूप और क्रीम बनाया जाता है।

अजब-गजब **इस थेरेपी के लिए घंटे भर में फूंक देता है 8-10 हजार रुपये**

लड़के का अजीबोगरीब शौक, पैसे देकर लगता है अजनबियों के गले!

हमारे देश की संस्कृति दूसरे देशों से काफी अलग है। मसलन विदेशों में रिश्तों में इतनी गर्माहट नहीं होती है, जितनी अपने देश में है। एक साथ इतने लोगों का एक छत के नीचे रहना, हर सुख-दुख में एक-दूसरे का साथ देना वगैरह-वगैरह। ये सारी बातें ऐसी हैं, जो हमारे कल्चर को अलग बनाती हैं, वरना आजकल तो लोग गले लगकर सुकून पाने के भी पैसे दे रहे हैं।

हम जो कह रहे हैं, वो ऐसे ही नहीं है। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा का रहने वाला मार्क ली नाम का 24 साल का लड़का सिर्फ गले लगने के लिए एक घंटे में 8 हज़ार रुपये उड़ा देता है। उसका कहना है कि ये उसके लिए एक थेरेपी की तरह है, जो उसके ईमानदार और विश्वास करने वाला बनाता है।

मार्क ली के मुताबिक वो 75 यानि करीब 8000 रुपये देकर एक घंटे के लिए प्रोफेशनल कडलर ट्रीवर हूटन के पास जाता है। ट्रीवर "Embrace Connections" नाम का एक बिजनेस चलाते हैं, जिसमें गले लगने के 8-10 हज़ार रुपये/घंटे का चार्ज किया जाता है।

इतना ही नहीं 3 से 4 हज़ार रुपये देकर कडल पार्टीज़ में भी मार्क ली जाता है, जहां लोग बिना किसी आकर्षण के सिर्फ सुकून और लगाव के लिए एक-दूसरे को गले लगाते हैं। इस तरह की झप्पी वाली थेरेपीज़ की डिमांड मार्क जैसे बहुत से लोग करते हैं क्योंकि वे अकेला और असुरक्षित महसूस करते हैं।

इस बिजनेस को चलाने वाले ट्रीवर बताते हैं कि 3 कारणों से इस थेरेपी की डिमांड बढ़ रही है। वो लोग जिन्हें अपनी जिंदगी में इस तरह सुकून भरे स्पर्श की जरूरत है, वो यहां आते हैं। जो लोग दूसरों के लिए प्रोवाइडर्स हैं, लेकिन उनसे अलग महसूस करते हैं। इसके अलावा जो लोग एक रिश्ते में बदलाव चाहते हैं, वो लोग भी गले लगने की सर्विस लेते हैं। मार्क का कहना है कि उसे इस तरह के सुकून और विश्वास करने की ताकत मिलती है।

चुनाव का सामना करके दिखाए भाजपा व शिंदे सरकार : उद्धव

» एकनाथ को दी चुनौती, कहा- जनता करेगी फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने बीजेपी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को चुनौती दी है। उद्धव ने एकनाथ शिंदे और सरकार में सहयोगी भाजपा को नए चुनाव का सामना करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि जनता को अंतिम निर्णय लेने दें। उन्होंने कहा, आइए सभी नए चुनावों का सामना करें और लोगों को अंतिम निर्णय लेने दें। जैसा मैंने सीएम पद से इस्तीफा दिया था, उसी तरह एकनाथ शिंदे को भी नैतिक आधार पर इस्तीफा देना चाहिए।

उद्धव ने फिर से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की धमकी भी दी। उद्धव ने कहा कि अगर बगावत करने वाले शिवसेना के विधायकों की अयोग्यता पर फैसला नहीं लिया तो वह एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। उन्होंने कहा, इस वर्तमान सरकार को अंतरिम राहत है। स्पीकर को जल्द से जल्द मामले पर फैसला लेना चाहिए।

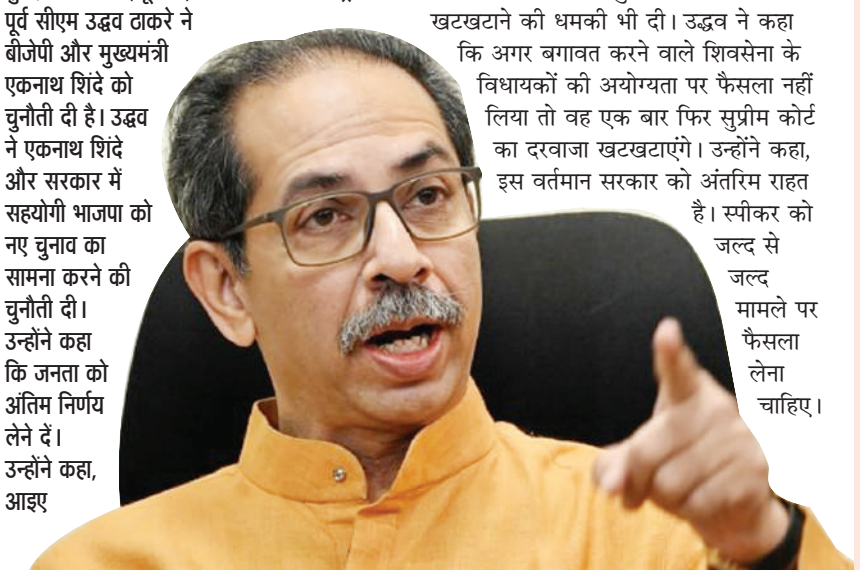

महाराष्ट्र का नाम बदनाम हो रहा है

उद्धव ने कहा कि दुनिया भर में महाराष्ट्र का नाम खराब किया जा रहा है, ऐसा नहीं होना चाहिए। मैं पीएम नरेंद्र मोदी को भी बताना चाहता हूं कि देश में नंगा नाच चल रहा है और आपको इसे रोकना चाहिए। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उद्धव ठाकरे गुट और शिंदे गुट के बीच चल रहे सत्ता संघर्ष पर दूरगामी परिणामों वाला ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने शिंदे की मुख्यमंत्री पद पर नियुक्ति पर तो मुहर लगाई। हालांकि कोर्ट ने राज्यपाल और स्पीकर की भूमिका पर सवाल उठाया है। कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल का उद्धव को सदन में बहुमत साबित करने के लिए कहना सही नहीं था, क्योंकि उनके समक्ष इस निष्कर्ष पर पहुंचने का कारण और सामग्री नहीं थी कि उद्धव ने सदन का बहुमत खो दिया है।

फोटो : 4 पीएम

स्क्रीनिंग

'द केरल स्टोरी' की लखनऊ लोकभवन में स्पेशल स्क्रीनिंग की गई। सीएम योगी के साथ यूपी का पूरा कैबिनेट ने इस दौरान मौजूद रहा। फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग में काफी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

देश में कोरोना के 1,580 नए केस आए, सतर्कता बरतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में 1,580 नए केस सामने आए, रिकवरी रेट की बात करें तो वह 98.77 प्रतिशत है, डेली पोजिटिविटी रेट 1.23प्रतिशत है। वीकली पोजिटिविटी रेट 1.49 प्रतिशत है। देश में सक्रिय मामलों की संख्या 18,009 है। पिछले 24 घंटे 3,167 लोग कोरोना से ठीक हुए।

वहीं अब तक कुल 4,44,28,417 लोग कोरोना से ठीक हो चुके हैं। दिल्ली में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 43 नये मामले सामने आए और संक्रमण दर 1.8 प्रतिशत रही। इसमें कहा गया है कि कोविड से संक्रमित के मौत होने की सूचना नहीं है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी नवीनतम बुलेटिन के अनुसार, दिल्ली में संक्रमितों की संख्या बढ़ कर 20,40,347 पर पहुंच गई है। इसमें कहा गया है कि सक्रमण से मरने वालों की संख्या 26,649 पर स्थिर है।

मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए हिंदू महिला को हाईकोर्ट ने दी सुरक्षा

» वह न तो इस्लाम में परिवर्तित होना चाहती हैं और न ही किसी मुस्लिम से शादी की है: अदालत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने एक 22 साल की लड़की को मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए पुलिस सुरक्षा मुहैया कराने के आदेश दिए। एक 22 वर्षीय हिंदु लड़की ने उत्तराखंड उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर मस्जिद में नमाज अदा करने के लिए सुरक्षा मांगी थी।

उसने कहा, उसको कई हिंदु संगठनों से धमकी मिल रही थी कि अगर उसने मस्जिद में नमाज अदा की तो वह उसको नुकसान पहुंचा सकते है। ऐसे में उत्तराखंड की नैनीताल बेंच ने उसे गुरुवार को अदालत में पेश होने का आदेश दिया और पूछा, वह हिंदू होने के बावजूद मस्जिद में नमाज क्यों पढ़ना चाहती है?

नमाज अदा करने की ये बताई वजह

वह लड़की जो एक दूसरे धार्मिक समुदाय के 35 वर्षीय पुरुष के साथ पिछले दो सालों से साथ रह रही है ने अपने जवाब में अदालत को बताया कि वह न तो इस्लाम में परिवर्तित होना चाहती हैं और न ही उन्होंने किसी मुस्लिम से शादी की है लेकिन पिरान कलियार मस्जिद जाने के बाद उनको वह जगह पसंद आई और इसी वजह से वह वहां पर नमाज अदा करना चाहती हैं।

तीसरे मोर्चे की कोई संभावना नहीं : पटनायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने के बाद थर्ड फ्रंट बनने की किसी भी संभावना से साफ इनकार किया है। सीएम नवीन पटनायक की यह टिप्पणी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मिशन विपक्षी एकता के लिए बड़ा झटका बताई जा रही है।

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए दिल्ली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने साल 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए कुछ नेताओं द्वारा विपक्षी दलों को एकजुट करने की पहल पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि नहीं, ऐसी कोई संभावना नहीं है। जहां तक मेरा सवाल है तो अभी ऐसा कोई तीसरा मोर्चा नहीं बन रहा है।

उन्होंने आगे कहा,मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ओडिशा के विकास कार्यों के सिलसिले में मुलाकात की है और विकास से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। मैंने पीएम मोदी से श्री जगन्नाथ अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के बारे में बात की, जिसे हम पुरी में स्थापित करना चाहते हैं। भुवनेश्वर में अभी काफी ट्रैफिक हो रहा है, तो हम वहां का विस्तार करना चाहते हैं। ओडिशा के विकास के लिए मैंने जो मांग की है, उनको लेकर प्रधानमंत्री ने मदद करने का आश्वासन दिया है।

नीतीश के मिशन विपक्षी एकता को झटका

नीतीश से केवल शिष्टाचार मुलाकात

नीतीश कुमार से मंगलवार को हुई मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर पटनायक ने कहा कि वह शिष्टाचार मुलाकात थी। बता दें कि नीतीश कुमार 2024 के लोकसभा चुनाव में सभी विपक्षी पार्टियों को भाजपा के खिलाफ एकजुट करने के लिए अलग-अलग पार्टियों के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। हालांकि, मंगलवार को नीतीश ने पटनायक से मुलाकात के बाद कहा था कि उनकी कोई राजनीतिक मंशा नहीं थी। उनके पटनायक से पुराने रिश्ते हैं। हमारे बीच इतना आपसी सम्मान है कि हमको राजनीति की चिंता करने की जरूरत नहीं है

यशस्वी की ताबड़तोड़ बल्लेबाज, शतक से चूके

» कोलकाता ने टेके घुटने, राजस्थान जीत के साथ तीसरे स्थान पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के आक्रामक अर्धशतक की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। जीत के साथ राजस्थान अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया और अपने पिछले तीन हार के क्रम को भी तोड़ दिया।

जायसवाल ने 13 गेंदों में आईपीएल का सबसे तेज अर्धशतक लगाया। स्पिन गेंदबाज युजवेंद्र चहल ने चार विकेट लेकर कोलकाता को बड़ा स्कोर बनाने नहीं दिया। कोलकाता की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 149 रन ही बना पाई। कोलकाता के लिए वेंकटेश अय्यर ने सबसे ज्यादा 57 रन बनाए। उन्होंने अपनी अर्धशतक पारी के दौरान 42 गेंदों का सामना किया और दो चौके व चार छक्के लगाए। जवाब में राजस्थान ने एक विकेट पर 151 रन बनाकर 13.1 ओवर में 41 गेंद शेष रहते लक्ष्य को हासिल कर लिया।

जायसवाल ने चौके के साथ टीम को जीत दिलाई तो वह उस तरह से जश्न मना रहे थे मानो उन्होंने शतक पूरा कर लिया हो, लेकिन उन्होंने अपने अच्छे शॉट चयन से यह पारी खेली। उन्होंने 47 गेंदों में नाबाद 98 रन की तेजतर्रार पारी खेली और 12 चौके व पांच शानदार छक्के जड़े।

शतक के लिए सिक्स नहीं लगा पाए जायसवाल

जायसवाल के अलावा संजू सैमसन ने दो चौके और पांच छक्कों की मदद से 29 गेंदों में नाबाद 48 रन बनाए। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 121 रन की नाबाद साझेदारी निभाई। हालांकि, संजू टीम के लिए रन बनाते रहे, लेकिन अगर जायसवाल के पास ज्यादा स्ट्राइक रहती तो वह अपना शतक पूरा कर सकते थे। संजू जब खुद 48 रन पर खेल रहे थे तो उन्होंने जायसवाल को स्ट्राइक दी और इशारा किया कि छक्का लगाओ, लेकिन जायसवाल चौका लगा पाए और शतक पूरा नहीं कर पाए।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

हाईकोर्ट ने दे ही दिया अर्नब गोस्वामी को जोर का झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने लोगो, (आर) के कथित ट्रेडमार्क उल्लंघन के लिए एक तेलुगु समाचार चैनल, आरटीवी न्यूज के खिलाफ एक मुकदमे में रिपब्लिक टीवी को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। जस्टिस मनीष पिटाले ने लोगो के इस्तेमाल की मांग को लेकर रिपब्लिक टीवी की मूल कंपनी एआरजी आउटलायर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर एक मुकदमे पर तत्काल सुनवाई और अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया।

हालांकि, आरटीवी न्यूज द्वारा अदालत को सूचित किए जाने के बाद अंतरिम राहत के लिए रिपब्लिक टीवी द्वारा प्रार्थना में कि उसने अपने लोगो को बदलने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय से अनुमति मांगी थी।

कॉपीराइट व ट्रेडमार्क उल्लंघन के रिपब्लिक टीवी के मुकदमे का मामला

» बॉम्बे हाईकोर्ट ने तत्काल सुनवाई से किया इंकार

» 5 जून को फिर होगी बहस

रिपब्लिक ने लोगो बदलने की अनुमति मांगी थी

आरटीवी की होल्डिंग कंपनी, रायडू विजन मीडिया ने बॉम्बे हाई कोर्ट को सूचित किया कि उसने अपने लोगो को बदलने के लिए सूचना और प्रसारण मंत्रालय से अनुमति मांगी थी। लोगो के परिवर्तन के लिए आवेदन लंबित है और रिपब्लिक ने लोगो का औपचारिक रूप से विरोध भी किया था, जिस पर मंत्रालय ने अभी तक विचार नहीं किया है, वरिष्ठ अधिवक्ता शरण जगतियानी और अधिवक्ता हिरेन कमोद ने ये जानकारी दी। न्यायमूर्ति पिटाले ने कहा कि कोई आवश्यकता नहीं थी और अर्जी को तत्काल सुनवाई हो आगे की बहस 5 जून को होगी। यह भी एक स्वीकृत स्थिति है कि प्रतिवादी (रायडू) ने आज तक अपने उपग्रह समाचार चैनल के संदर्भ में बदले हुए लोगो का उपयोग शुरू नहीं किया है। अदालत ने कहा कि 5 जून, 2023 को अंतरिम राहत पर विचार के लिए आवेदन को सूचीबद्ध करें। कोर्ट ने दोनों पक्षों को अवकाश पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख करने की स्वतंत्रता भी दी है।

ये है मामला

एआरजी आउटलायर ने मार्च 2023 में मुकदमा दायर किया था जिसमें रायडू के खिलाफ ट्रेडमार्क आर के उल्लंघन और पासिंग के लिए स्थायी निषेधाज्ञा की मांग की गई थी। सूट ने रायडू के खिलाफ कथित अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए गणतंत्र को नुकसान पहुंचाने के लिए 100 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है। याचिका के मुताबिक, 4 फरवरी, 2023 के आसपास रिपब्लिक टीवी को आरटीवी नाम का एक यूट्यूब चैनल मिला। रिपब्लिक ने मुकदमे में आरोप लगाया कि रायडू ने उसके ट्रेडमार्क की नकल की और एक लोगो का उपयोग कर रहा था जो भ्रामक रूप से उसके लोगो के समान था। रायडू ने मुकदमे का विरोध किया और अपने हलफनामे में दावा किया कि वे 2007 से ऋज्रङ्क लोगो का उपयोग कर रहे हैं। इसने दावा किया कि चैनल ऋज्रङ्क शब्द का उपयोग रिपब्लिक से बहुत पहले कर रहा था, जिसे 2016 में ही शामिल किया गया था। उन्होंने कहा यह निशान मालिक के परिवार के नाम - रायडू से आया था।

लखनऊ की आयुषी चौहान ने बढ़ाया मान

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सीबीएसई ने शुक्रवार को दसवीं और बारहवीं के नतीजे घोषित कर दिए। इस वर्ष 12वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में कुल 87.33 प्रतिशत स्टूडेंट्स उत्तीर्ण हुए हैं। लड़कियों का पास प्रतिशत लड़कों की तुलना में करीब छह प्रतिशत बेहतर रहा। लड़कियों का पास प्रतिशत 90.68 फीसदी तो लड़कों का प्रतिशत 84.67 फीसदी है।

98.6 प्रतिशत अंक किये अर्जित

शहर में एलपीएस की आयुषी चौहान ने 98.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर मान बढ़ाया है। उन्हें तीन विषयों में 100-100 अंक मिले हैं। इनमें इकोनॉमिक्स में 100, लाइब्रेरी साइंस में 100 और भूगोल में 100 अंक हासिल किए हैं। वह आईएएस बनकर देशसेवा करना चाहती हैं। उनके अलावा नवयुग रेडियन्स की नीलांजना मित्रा ने (98.2प्रतिशत), दिलप्रीत सिंह (97.8प्रतिशत), अर्जिता सिंह (97.6प्रतिशत) संग कई मेधावियों ने शहर का मान बढ़ाया है।

योगी कैबिनेट ने 19 प्रस्तावों पर लगाई मुहर

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोकभवन में चल रही कैबिनेट बैठक खत्म हो गई है। सीएम योगी की कैबिनेट बैठक में कल 19 प्रस्तावों पर मुहर लगी है। उच्च शिक्षा विभाग के 5 प्रस्ताव, पर्यटन विभाग के 2, औद्योगिक विकास के तीन, कृषि विभाग के दो समेत 19 प्रस्तावों पर योगी कैबिनेट की मुहर लगी है।

सिसोदिया की न्यायिक हिरासत दो जून तक बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई मामले में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत दो जून तक बढ़ा दी है। इससे पहले कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने संबंधित जेल अधीक्षक को यह भी निर्देश दिया कि जमानत याचिका के निस्तारण तक सिसोदिया और पत्नी के बीच हर वैकल्पिक दिन अपराह्न 3-4 बजे के बीच वर्चुअल बैठक सुनिश्चित करें। अदालत ने स्पष्ट किया कि जेल नियमों के अनुसार वर्चुअल बैठक आयोजित की जाएगी।

भाजपा ने मतदान में पहुंचायी बाधा, वोट डालने से रोका: उत्तम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में 13 मई को होने वाली निकाय चुनाव की मतगणना को लेकर सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल व विधायक मनोज पांडे ने प्रेस वार्ता की। नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि नगर निकाय का चुनाव देश का बड़ा चुनाव है। बड़ी संख्या में सभी पार्टी ने प्रत्याशी उतारे, सरकार के खिलाफ़ इस चुनाव में व्यापक माहौल था, बीजेपी की केंद्र व राज्य सरकार ने जनता के साथ धोखा किया है।

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया की बीजेपी ने कई जगह लोगों को वोट नहीं डालने दिया। सपा में पक्ष में बहुत मतदान हुआ। सीएम ने निर्देश दिए की सपा आने जा रही है, इसलिए लोगों को रोका गया। सपा के लिए भ्रामक प्रचार किया गया। बीजेपी ने भरपूर सत्ता का प्रयोग किया। अब मतगणना में सपा को रोकने का काम किया जा रहा है।

मतगणना में साजिश करने जा रही है बीजेपी

वहीं, सपा विधायक मनोज पांडेय ने भी भाजपा व यूपी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में बीजेपी ने व्यवधान डालने का काम किया है। सीधे जनता से जुड़ा चुनाव है। नगर पंचायत की ज्यादा सीटों पर सपा का कब्जा रहा है। बीजेपी को जहां-जहां लग रह है कि जनता ने सपा के पक्ष में मतदान किया है, वहाँ-वहाँ बीजेपी साज़शि रच रही है। कहीं कार्यकर्ताओं को उठाकर थाने में बंद किया जा रहा है।

गुजरात के 68 न्यायिक अधिकारियों की पदोन्नति पर 'सुप्रीम' रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सूरत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरीश हसमुखभाई वर्मा सहित गुजरात के 68 निचले न्यायिक अधिकारियों की पदोन्नति पर रोक लगा दी। सूरत के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) हसमुखभाई वर्मा ने ही मानहानि के एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दोषी ठहराया था।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार की पीठ ने कहा कि गुजरात राज्य न्यायिक सेवा नियमावली 2005 के अनुसार, योग्यता-सह-वरिष्ठता के सिद्धांत और योग्यता परीक्षा पास करने पर ही पदोन्नति होनी चाहिए। नियमावली में 2011 में संशोधन किया गया था।पीठ ने कहा, हाईकोर्ट द्वारा जारी की गई सूची और जिला न्यायाधीशों को पदोन्नति देने के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश गैरकानूनी और इस अदालत के निर्णय के विपरीत है। इसलिए इसे बरकरार नहीं रखा जा सकता।

इमरान खान को पहले राहत, फिर आ गई आफत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इस्लामाबाद। तोशाखाना मामले में इमरान खान को बड़ी राहत मिल गई है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने मामले में कार्रवाई को अगले आदेश तक रोक दिया है। लेकिन उधर लाहौर पुलिस फिर 10 मामलों में वारंट लेकर पहुंच गई है। सूत्रों का कहना है उन्हे फिर से गिरफ्मार किया जा सकता है। इससे पहले पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इमरान खान और उनके समर्थकों को बड़ी राहत दे दी।

कोर्ट ने कहा कि मंगलवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट परिसर से हुई इमरान की गिरफ्तारी अवैध थी और उन्हें तत्काल रिहा किया जाए। इमरान खान ने भी कोर्ट को बताया कि गिरफ्तारी के दौरान उन्हें डंडे मारे गए। कोर्ट ने इमरान को पुलिस लाइन गेस्ट हाउस भेज दिया और शुक्रवार को उन्हें इस्लामाबाद हाई कोर्ट के सामने पेश करने का आदेश दिया।

लाहौर पुलिस फिर 10 मामलों में वारंट लेकर पहुंची

एक बार फिर हो सकते हैं गिरफ्तार

तीन सदस्यीय बेंच के सामने होंगे पेश

पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, पीटीआई प्रमुख इमरान खान अल-कादिर ट्रस्ट मामले में जमानत मांगने के लिए इस्लामाबाद हाई कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ के सामने पेश होंगे। कोर्ट में सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार करने के लिए लाहौर पुलिस की एक टीम इस्लामाबाद के लिए रवाना हो गई है। डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस टीम का नेतृत्व उप महानिरीक्षक (जांच) कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।